Regarding infiltration of Bangladeshi nationals in Assam and their repatriation to their home country-Laid

श्री दिलीप शइकीया **(**दारंग-उदालगुड़ी**) :** असम में बांग्लादेशी अवैध घुसपैठ का मुद्दा राज्य की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है । 1971 में बांग्लादेश के अलग देश बनने से पहले और उसके बाद भारी संख्या में लोग असम में आकर बसने लगे थे । बांग्लादेश से असम में अवैध प्रवास असमिया लोगों की पहचान के लिए एक गंभीर सुरक्षा खतरा बन गया है । यह असम के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है और कानून-व्यवस्था की समस्याएँ भी पैदा करता है । इससे यहाँ की जनसांख्यिकी में भी भारी परिवर्तन देखने को मिल रहा है । 1951-2011 की अवधि में असम राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर 288.21% रही, जबकि पूरे भारत में यह 235.15% थी । यह उच्च वृद्धि दर स्पष्ट रूप से असम राज्य में बड़े पैमाने पर प्रवासन का संकेत देती है । असम समेत पूर्वोत्तर भारत में अवैध घुसपैठ को लेकर भारत और बांग्लादेश के बीच कोई समझौता नहीं होने के कारण, बांग्लादेश द्वारा अपने इन अवैध घुसपैठियों को वापिस नहीं लिया जाता है , जोकि देश की सुरक्षा के लिए एक गंभीर संकट है । केंद्र सरकार से अनुरोध है कि बांग्लादेश के साथ अवैध घुसपैठ को लेकर द्विपक्षीय समझौता किया जाए और बांग्लादेश से आये घुसपैठियों को वापिस भेजा जाए ।